फ्लोरोसिस प्रभावित बच्चों की सूध ली

बीमारी जिला अस्पताल में लगाया स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, दो बच्चों को इंदौर रैफर किया

भास्कर संवाददाता | झाबुआ

फ्लोरोसिस प्रभावित बच्चों की सूध लेते हुए बुधवार को उनका स्वास्थ्य परीक्षण जिला अस्पताल में शिविर लगाकर किया गया। यहां ग्राम मियाटी व जशोदा खुमजी के 27 बच्चों की जांच तीन सदस्यीय चिकित्सकों की टीम ने की। गंभीर रूप से पीड़ित दो बच्चों को इंदौर रैफर किया गया।

मंगलवार को स्वास्थ्य व पीएचई के अधिकारियों के दल ने फ्लोरोसिस प्रभावित दोनों गांवों का दौरा किया था। बाद में अधिकारियों ने शिविर लगाने की योजना बनाई गई। बुधवार को दोनों गांव के फ्लोरोसिस प्रभावित बच्चों की जांच एमडी मेडिसीन डॉ. संजय मालवीय, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. विजयसिंह निनामा व दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. एसएस गर्ग ने की। अधिकांश बच्चों को दांत में तकलीफ पाई गई। ग्राम जशोदा खुमजी की मत्थु केमडिया (15)व कुंवरसिंह अनसिंह (15) के जोड़ों में फ्लोरोसिस का अधिक प्रभाव नजर आया। चिकित्सकों की टीम ने दोनों को इंदौर रैफर करने की सलाह दी।

दोनों के पैर टेढ़े हो गए हैं।

बच्चे का परीक्षण करते चिकित्सक

इन दो गांवों के लोग व बच्चे बीमार मिले

ग्राम मियाटीः भुरसिंग पिता तोलिया, विनय पिता लालू, काली पिता तोलिया, सुनीता तेरसिंग, सुमित्रा पारसिंग, रिमू सावन, भूरा पानसिंग, अनिता योहन, रेखश मानसिंग, कैलाश धुलिया, गन्ना तोलिया, राहुल सुरसिंग, संजू, कल्ला खुमान।

ग्राम जशोदा खुमजीः प्रकाश शैतान, मत्थू केमडिया, अनिल अनसिंग, मुन्ना पुनिया, उमेश पुनिया, राकेश जशोदा, रमेश शैतान, कुंवरसिंग अनसिंग, सावित्री बहादुर, दिलीप बहादुर, पिंटू मांगीलाल, बहादुर, नंदू। ये बच्चे फ्लोरोसिस बीमारी के शिकार हैं।

ग्रामीणों को जागरूक करेंगे

फ्लोरोसिस मुख्य रूप से पानी के कारण होता है। इस संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा। अंतरविभागीय कार्यशाला में फील्ड के लोगों को फ्लोरोसिस की जानकारी देंगे, जिससे वे ग्रामीणों को सही सलाह दे सकें।
डॉ. रजनी डावर, सीएमएचओ, झाबुआ

JHABUA-ALI RAJPUR BHASKAR / THURSDAY 13 Oct. 2011